NEWSLETTER

GOLD : 53880
SILVER : 66450
CRUD OIL : 6540

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

03/12/2022

"इंडस्ट्री के लिए अब तक का सबसे कठिन समय है यह"

अमित सोनी
(रॉ कॉटन परचेसर ऑफिसर लुधियाना)

जब रॉ कॉटन की कीमतें बढ़ना शुरू हुई थी उस वक्त ग्लोबल मार्केट में भारतीय सूती धागे की बहुत डिमांड थी इस वजह से कीमतें बढ़ने के बावजूद इंडस्ट्री को फायदा ही हुआ था। लेकिन, रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से पूरा सिनेरियो बदल गया है। वॉर शुरू हुई तो एक्सपोर्ट बंद हो गया, नतीजा पूरी इंडस्ट्री घाटे में चल रही है।

इनदिनों यार्न की डिमांड ना तो ग्लोबल मार्केट में है और ना ही घरेलू मार्केट में। बल्कि घरेलू मार्केट की स्थिति तो और भी गंभीर है। यहां सबको नीचे भाव में माल चाहिए। जबकि रॉ मटेरियल इतना महंगा है कि यार्न प्रोडक्शन में मिलों को 20 से 25 रूपए प्रति किलो का नुकसान उठाना पड़ रहा है। वर्तमान समय इंडस्ट्री के लिए अब तक का सबसे कठिन समय है।

यह कहना है कॉटन इंडस्ट्री में लंबे समय से रॉ कॉटन परचेसर की भूमिका निभा रहे अमित सोनी का। वर्तमान में अमित लुधियाना की एस टी कॉटेक्स प्रा. लि. कंपनी में कार्यरत है।

ना क्वांटिटी, ना क्वालिटी

उन्होंने कहा कि रॉ कॉटन खरीदना इनदिनों किसी चुनौति से कम नहीं है। मंडी में आवक बहुत धीमी है और भाव बहुत ज्यादा है। वर्तमान में पंजाब में कपास के भाव 7150 रूपए प्रति मंड चल रहे है। नार्थ झोन में इस बार उत्पादन भी बहुत कम हुआ है। पंजाब में जहां 10 लाख बेल्स का प्रोडक्शन होता है वहां इस बार 3.5 से 4 लाख बेल्स ही बन पाएंगी, हरियाणा में हर साल 25 लाख बेल्स के आस-पास प्रोडक्शन होता है। लेकिन, इस साल वह भी अपनी आधी क्षमता पर ही सिमट जाएगा। राजस्थान जो अपने बेहतर क्वालिटी कपास के लिए जाना जाता है। वहां भी बारीश के चलते प्री मैच्योर प्रोडक्शन हुआ है। यानी बिनौले का टिंडा समय के पहले ही पककर फट गया है। नतीजा, लैंथ में 1 से 1.5 एमएम तक का नुकसान हुआ है।

रोजगार में भी आई भारी कमी

टेक्सटाइल इंडस्ट्री देश में रोजगार के दृष्टिकोण से भी बहुत बड़ी इंडस्ट्री मानी जाती है। इनदिनों जब स्पिनिंग मिल्स, हैंडलूम और अन्य गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग संस्थान अपनी आधी या उससे भी कम क्षमता पर काम कर रहे है। इसका सीधा असर देश के रोजगार पर भी पड़ा है। वर्तमान में औसतन 20 से 30 प्रतिशत रोजगार भी इस क्षेत्र में कम हुआ है। मार्केट को समझना इस समय टेढ़ी खीर है। क्योंकि पहले मार्केट ट्रेड के हिसाब से चलता था जबकि अब न्यूज से चल रहा है। न्यूज निगेटिव हो तो मार्केट में डाउन फॉल आ जाता है और न्यूज पॉजीटिव हो तो मार्केट अप हो जाता है।

सरकार को लेनी होगी जिम्मेदारी

इंडस्ट्री को सही दिशा में वापस लाने की जिम्मेदारी सरकार को ही लेनी होगी। इंडस्ट्री में अकेले किसान ही सर्वाइव नहीं करते बल्कि, व्यापारियों की भी अहम भूमिका है। इन्हें नुकसान ना हो इसके लिए भी सरकार को कदम उठाने चाहिए। कॉटन के रेट में जिस तेजी से उतार-चढ़ाव हो रहा है, उस पर कंट्रोल करना बेहद जरूरी है।

किसान की आवाज

जल्पेश पडलिया

भाव बढ़ने में समय लगेगा तो उसके लिए तैयार है हम किसान

पिछले साल के मुकाबले इस बार हमारे प्रांत में कपास का उत्पादन अच्छा हुआ है। पिछले साल जहां एक एकड़ जमीन में लगभग 35 से 40 मंड कपास की पैदावार हुई थी वहीं इस साल 1 एकड़ जमीन में 50 मंड कपास की पैदावार आई है। पैदावार बढ़ने की मुख्य वजह दो है। पहली तो यह कि साल 2022 में हमारे जिले का पर्यावरण कपास के लिए अनुकुल रहा और दूसरी वजह यह कि इस साल फसल पर गुलाबी इल्ली नहीं आई।

गुजरात के जूनागढ़ जिले के मनावदर गांव के कपास किसान जल्पेश पडलिया पिछले कई सालों से कपास की खेती कर रहे है। इस साल भी उन्होंने अपनी 10 एकड़ जमीन पर कपास बोया है। उन्होंने बताया कि अभी पिकिंग का एक सीजन पूरा हो चुका है और हमने 1 एकड़ जमीन में से 550 किलो कपास निकाल लिया है। अभी दो पिकिंग सीजन बाकि है और उम्मीद है कि 600 किलो कपास एक एकड़ जमीन में से और निकलेगा।

जल्पेशजी ने बताया कि अभी कपास के भाव 1850 रूपए प्रति मंड है। हमारे एरिया को छोड़ दे तो अन्य कई एरिया में पैदावार अच्छी नहीं हुई है। हम किसानों को पूरी उम्मीद है कि भाव 2000 के पार जाएंगें। इसीलिए ज्यादातर किसानों ने अपनी फसल को रोक कर रखा है। भाव के इस स्तर तक पहुंचने में समय लग सकता है लेकिन हम किसान उसके लिए पूरी तरह तैयार है।

टेक्सटाइल निवेशकों के लिए सुखद रहा यह सप्ताह

28 नवंबर से 3 दिसंबर के मध्य प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की शेयर रिपोर्ट पर एक नजर

शेयर मार्केट में जिन निवेशकों ने पिछले कुछ समय में टेक्सटाइल सेग्मेंट में निवेश किया था इस सप्ताह उन निवेशकों को बेहतर रिटर्न मिले है। दरअसल, बीते सप्ताह में सभी प्रमुख शेयर कंपनीज के शेयर्स ने शानदार बढ़त हासिल की है। आइए जानते है बीएससी के मंच पर इन कंपनीज की परफॉर्मेंस की साप्ताहिक रिपोर्ट-

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	344.5	354.1	338.35	0.92%
अरविंद लिमिटेड	99.35	100	92.45	6.71%
वेलसपन इंडिया	80.85	81.3	81	1.06%
नितिन स्पिनर्स	207.35	211.85	198.05	4.12%
रेमण्ड	1610.3	1629.95	1314.4	22.18%
अक्षिता कॉटन	55.1	56.7	37.25	40.38%

जानिए इस सप्ताह की कॉटन मार्केट की हलचल

SMART INFO SERVICES
CALL : 91119 77771 - 5
WEEKLY CHART 03.12.2022

ICE COTTON			
MONTH	25.11.22	02.12.22	WEEKLY CHANGE
MARCH	80.18	83.20	3.02
MAY	79.53	82.56	3.03
MCX (BALES)			
DEC	31230	31900	670
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1731	1680	-51
NCDEX (COCUD KHAL)			
DEC	2860	2750	-110
JAN	2725	2631	-94
FEB	2722	2644	-78
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	81.69	81.32	-0.37
PAK (Pakistani Rupee)	223.488	224.324	0.836
CNY (Chinese yuan)	7.17503	7.02469	-0.15034
BRAZIL (Real)	5.41008	5.21939	-0.19069
AUSTRALIAN Dollar	1.48132	1.4715	-0.00982
MALAYSIAN RINGGITS	4.47907	4.38699	-0.09208
COTLOOK "A" INDEX	101.35	103.1	1.75
BRAZIL COTTON INDEX	96.71	101.96	5.25
USDA SPOT RATE	79.14	82.2	3.06
MCX SPOT RATE	32960	32890	-70
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	16700	16500	-200

बीता सप्ताह कॉटन कीमतों में बढ़ोतरी के संकेत लेकर आया। 25 नवंबर की रिपोर्ट में जहां एक्सचेंज मार्केट में कॉटन के दाम घटे थे वहीं इस सप्ताह कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज हुई है। इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज मार्केट में इस सप्ताह मार्च और मई के सौदा भाव में क्रमशः 3.02 और 3.03 अंक का सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है।मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज के मंच पर भी कॉटन कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई है। दिसंबर माह के लिए 25 नवंबर को एमसीएक्स पर कॉटन के दाम 31230 रूपए थे जो 2 दिसंबर तक 670 रूपए की बढ़त के साथ 31900 तक पहुंच गए। अन्य इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज मार्केट पर नजर करें तो एमसीएक्स स्पॉट रेट और केसीए स्पॉट रेट पर कॉटन के दाम में कमी आई जबकि अन्य सभी प्लेटफॉर्म पर कॉटन ने बढ़त हासिल की है।

इस सप्ताह एनसीडीएक्स पर कपास की कीमतों में थोड़ी कमी देखने को मिली। अप्रैल महीने के लिए भाव में इस सप्ताह 51 रूपए की कमी आई है। खल के भाव भी इस सप्ताह घटे है। एनसीडीएक्स के मंच पर दिसंबर, जनवरी और फरवरी माह के लिए खल के भाव में क्रमशः 110, 94 और 78 रूपए की कमी देखने को मिली।